email: shahardayaranews@gmail.com

दैनिक

शहर दायरा न्यूज

हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय

https://www.facebook.com/shahardayaranews/

वर्ष 10 अंक: 11 | कानपुर, शनिवार 7 सितम्बर 2024 | पृष्ठ: 8 | मूल्य-2.00 ₹

फाइलेरिया की दवा का प्रयोग करेंगे तभी सुरक्षित रह पायेंगे पर हुई कार्यशाला

शहर दायरा न्यूज कानपुर। सीएसए के कैलाश भवन सभागार में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के अंतर्गत फाइलेरिया रोग की रोकथाम एवं जागरूकता हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि फाइलेरिया मच्छर के काटने से होने वाला एक संक्रामक रोग है जिसे सामान्यता हाथी पांव के नाम से जाना जाता है उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर रोग है इसलिए इसके उन्मूलन के लिए सुरक्षात्मक उपाय के रूप में दवा का प्रयोग करें कार्यक्रम के आयोजक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार द्वारा बताया गया कि जब समुदाय के सभी लोग फाइलेरिया की दवा का प्रयोग करेंगे तभी सुरक्षित रह पाएंगे निदेशक एनसीवीबीडीसी नई दिल्ली डॉक्टर तनु जैन द्वारा कहा गया कि बुखार, हाथ पैर में दर्द या सूजन तथा पुरुषों के जननांग में व उसके आसपास दर्द या सूजन फाइलेरिया रोग के लक्षण हैं राज्य समन्वयक विश्व स्वास्थ्य संगठन डॉक्टर तनुज ने कहा कि फाइलेरिया की दवा परजीवियों को नष्ट कर देती है तथा मरते हुए परजीवियों के प्रतिक्रिया स्वरूप कभी-कभी उल्टी तथा बदन पर चकत्ते जैसी मामूली प्रक्रियाएं देखने को मिलती हैं बीएमजी फाउंडेशन की ओर से डॉक्टर जयंती द्वारा बताया गया कि फाइलेरिया रोग की दवा सरकार द्वारा साल में एक बार घर-घर मुफ्त दी जाती है ताकि प्रभावी रोकथाम हो सके पीसीआई इंडिया की ओर से डॉक्टर राजश्री दास द्वारा कहा गया कि अपने घर के आसपास साफ सफाई कर मच्छरों को पनपने न दें तथा मच्छरदानी का प्रयोग करें संक्रमित व्यक्ति शीघ्र ही दवा खाएं एडिशनल सीएमओ एवं नोडल अधिकारी फाइलेरिया द्वारा बताया गया कि किसी भी परेशानी की अवस्था में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता गण, कुल सचिव, निदेशक, विभाग अध्यक्ष, संकाय सदस्यों के साथ-साथ लगभग 900 छात्र छात्रों ने प्रतिभाग किया कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर राजीव द्वारा किया गया

सत्य का असर समाचार पत्र

07,09,2024 jksingh hardoi agmail com मोबाइल नंबर 9956834016

पेज 2

सत्य का असर समाचार पत्र पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कृषि विश्वविद्यालय में फाइलेरिया जागरूकता कार्यक्रम पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कैलाश भवन सभागार में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के अंतर्गत फाइलेरिया रोग की रोकथाम एवं जागरूकता हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि फाइलेरिया मच्छर के काटने से होने वाला एक संक्रामक रोग है।जिसे सामान्यता हाथी पांव के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर रोग है इसलिए इसके उन्मूलन के लिए सुरक्षात्मक उपाय के रूप में दवा का प्रयोग करें ।कार्यक्रम के आयोजक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार द्वारा बताया गया कि जब समुदाय के सभी लोग फाइलेरिया की दवा का प्रयोग करेंगे तभी सुरक्षित रह पाएंगे। निदेशक एनसीवीबीडीसी नई दिल्ली डॉक्टर तनु जैन द्वारा कहा गया कि बुखार, हाथ पैर में दर्द या सूजन तथा पुरुषों के जननांग में व उसके आसपास दर्द या सूजन फाइलेरिया रोग के लक्षण हैं। राज्य समन्वयक विश्व स्वास्थ्य संगठन डॉक्टर तनुज ने कहा कि फाइलेरिया की दवा परजीवियों को नष्ट कर देती है तथा मरते हुए परजीवियों के प्रतिक्रिया स्वरूप कभी-कभी उल्टी तथा बदन पर चकत्ते जैसी मामूली प्रक्रियाएं देखने को मिलती हैं। बीएमजी फाउंडेशन की ओर से डॉक्टर जयंती द्वारा बताया गया कि फाइलेरिया रोग की दवा सरकार द्वारा साल में एक बार घर-घर मुफ्त दी जाती है ताकि प्रभावी रोकथाम हो सके। पीसीआई इंडिया की ओर से डॉक्टर राजश्री दास द्वारा कहा गया कि अपने घर के आसपास साफ सफाई कर मच्छरों को पनपने न दें तथा मच्छरदानी का प्रयोग करें ।संक्रमित व्यक्ति शीघ्र ही दवा खाएं। एडिशनल सीएमओ एवं नोडल अधिकारी फाइलेरिया द्वारा बताया गया कि किसी भी परेशानी की अवस्था में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता गण, कुल सचिव, निदेशक, विभाग अध्यक्ष, संकाय सदस्यों के साथ-साथ लगभग 900 छात्र छात्रों ने प्रतिभाग किया।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर राजीव द्वारा किया गया।

दैनिक जागरण 07/09/2024

सीएसए का बीएससी कृषि स्वर्ण पदक रितिक को

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में इस बार बीएससी कृषि का कुलाधिपति स्वर्ण पदक रितिक और कृषि इंजीनियरिंग का आर्यन दुबे, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में अमन तोमर, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में सौम्या पाठक, इलेक्ट्रानिक एंड कम्यूनिकेशन में फातिमा और डेयरी टेक्नोलाजी में अर्पित कुमार को दिया जाएगा।

विश्वविद्यालय का दीक्षा समारोह चार अक्टूबर को होगा। कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने एक माह पहले ही कार्यक्रम आयोजन को अपनी अनुमति दे दी है। कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने आयोजन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन भी कर दिया है। अब विश्वविद्यालय ने मेधावियों की सूची भी जारी कर दी है। सभी विभागाध्यक्षों को भेजी गई सूची को छात्रों के बीच प्रकाशित किया गया है। कुल सचिव डा. पीके उपाध्याय ने बताया, कि सभी छात्र-छात्राएं को आपत्ति दर्ज करने का अवसर दिया जा रहा है। इसके बाद अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी।

सूची में प्रस्तावित नाम

बीएससी कृषि – रितिक (प्रथम), विष्णु सैनी (द्वितीय) और अविनाश सिंह (तृतीय)।

पाठ्यक्रम

- कृषि अभियान्त्रिकी – आर्यन दुबे (स्वर्ण पदक), न्याशा पटेल (रजत पदक), नवनीत सिंह (कांस्य पदक)
- मैकेनिकल इंजी – अमन तोमर (स्वर्ण पदक), उज्जवल मिश्रा (रजत पदक), कृष्ण गोपाल (कांस्य पदक)
- कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग – सौम्या पाठक (स्वर्ण पदक), खुशी यादव (रजत पदक), कार्तिकेय सचान (कांस्य पदक)
- इलेक्ट्रिानिक एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग– फातिमा (स्वर्ण पदक), रजत जुरैल (रजत पदक)
- डेयरी टेक्नोलाजी– अर्पित कुमार (स्वर्ण पदक), अविरल राय (रजत पदक), पंकज प्रताप (कांस्य पदक)

7 Sep 2024 the sword....

डाक पंजीयन संख्या : GPOLW/NP-110/2015-17 R.N.I. No. UPHIN/2013/543

द स्वार्ड ऑफ इण्डिया

लखनऊ, बाराबंकी, बहराइच, सुल्तानपुर, कन्नौज, कानपुर, प्रयागराज, रायबरेली, जालौन, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर से एक साथ प्रकाशित

■ वर्ष 11 ■ अंक 300 हिन्दी दैनिक ■ लखनऊ, शनिवार, 7 सितम्बर 2024 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य 1.00

कृषि विश्वविद्यालय में फाइलेरिया जागरूकता कार्यक्रम पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कैलाश भवन सभागार में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के अंतर्गत फाइलेरिया रोग की रोकथाम एवं जागरूकता हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि फाइलेरिया मच्छर के काटने से होने वाला एक संक्रामक रोग है।जिसे सामान्यता हाथी पांव के नाम से जाना जाता है।उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर रोग है इसलिए इसके उन्मूलन के लिए सुरक्षात्मक उपाय के रूप में दवा का प्रयोग करें।कार्यक्रम के आयोजक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार द्वारा बताया गया कि जब समुदाय के सभी लोग फाइलेरिया की दवा का प्रयोग करेंगे तभी सुरक्षित रह पाएंगे। निदेशक एनसीवीबीडीसी नई दिल्ली डॉक्टर तनु जैन द्वारा कहा गया कि बुखार, हाथ पैर में दर्द या सूजन तथा पुरुषों के जननांग में व उसके आसपास दर्द या सूजन फाइलेरिया रोग के लक्षण हैं। राज्य समन्वयक विश्व स्वास्थ्य संगठन डॉक्टर तनुज ने कहा कि फाइलेरिया की दवा परजीवियों को नष्ट कर देती है तथा मरते हुए परजीवियों के प्रतिक्रिया स्वरूप कभी-कभी उल्टी तथा बदन पर चकत्ते जैसी मामूली प्रक्रियाएं देखने को मिलती हैं। बीएमजी फाउंडेशन की ओर से डॉक्टर जयंती द्वारा बताया गया कि फाइलेरिया रोग की दवा सरकार द्वारा साल में एक बार घर-घर मुफ्त दी जाती है ताकि प्रभावी रोकथाम हो सके। पीसीआई इंडिया की ओर से डॉक्टर राजश्री दास द्वारा कहा गया कि अपने घर के आसपास साफ सफाई कर मच्छरों को पनपने न दें तथा मच्छरदानी का प्रयोग करें।संक्रमित व्यक्ति शीघ्र ही दवा खाएं। एडिशनल सीएमओ एवं नोडल अधिकारी फाइलेरिया द्वारा बताया गया कि किसी भी परेशानी की अवस्था में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता गण, कुल सचिव, निदेशक, विभाग अध्यक्ष, संकाय सदस्यों के साथ-साथ लगभग 900 छात्र छात्रों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर राजीव द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शनिवार • 7 सितम्बर • 2024

फाइलेरिया मच्छर के काटने से ने वाला एक संक्रामक रोग है'

हारा न्यूज ब्यूरो

पुर।

फाइलेरिया की रोकथाम एवं जागरूकता के लिये कार्यशाला का आयोजन

खर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी वेद्यालय के कैलाश भवन सभागार में र को फाइलेरिया उन्मूलन अभियान र्गत फाइलेरिया रोग की रोकथाम एवं कता के लिये एक कार्यशाला का जन किया गया। कार्यशाला की ता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. कुमार सिंह ने की।

न्होंने कहा कि फाइलेरिया मच्छर के से होने वाला एक संक्रामक रोग है, सामान्यता हाथी पांव के नाम से जाना है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर रोग सलिए इसके उन्मूलन के लिए त्मक उपाय के रूप में दवा का प्रयोग कार्यक्रम के आयोजक एवं अधिष्ठाता कल्याण डॉ. मुनीश कुमार ने बताया कि समुदाय के सभी लोग फाइलेरिया की ा प्रयोग करेंगे, तभी सुरक्षित रह पाएंगे। वसर पर एनसीवीबीडीसी नई दिल्ली देशक डॉ. तनु जैन कहा कि बुखार, र में दर्द या सूजन व पुरुषों के जननांग में या फिर उसके आसपास दर्द या सूजन फाइलेरिया रोग के लक्षण हैं। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया की दवा परजीवियों को नष्ट कर देती है और मरते हुए परजीवियों के प्रतिक्रिया स्वरूप कभी-कभी उल्टी तथा बदन पर चकत्ते जैसी मामूली प्रक्रियाएं देखने को मिलती हैं। बीएमजी फाउंडेशन की ओर से डॉ. जयंती ने बताया कि फाइलेरिया रोग की दवा सरकार द्वारा साल में एक बार घर-घर मुफ्त दी जाती है, ताकि प्रभावी रोकथाम हो सके। पीसीआई इंडिया की ओर से डॉ. राजश्री दास ने कहा कि अपने घर के आसपास साफ सफाई रखें, मच्छरों को पनपने न दें और मच्छरदानी का प्रयोग करें। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता गण, कुल सचिव, निदेशक, विभाग अध्यक्ष, संकाय सदस्यों के साथ-साथ लगभग 900 छात्र-छात्रों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजीव ने किया।

न के सभागार में आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन करते कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह।

आज का कानपुर
हिन्दी दैनिक

कृषि विश्वविद्यालय में फाइलेरिया जागरूकता कार्यक्रम पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कैलाश भवन सभागार में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के अंतर्गत फाइलेरिया रोग की रोकथाम एवं जागरूकता हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि फाइलेरिया मच्छर के काटने से होने वाला एक संक्रामक रोग है।जिसे सामान्यता हाथी पांव के नाम से जाना जाता है।उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर रोग है इसलिए इसके उन्मूलन के लिए सुरक्षात्मक उपाय के रूप में दवा का प्रयोग करें।कार्यक्रम के आयोजक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार द्वारा बताया गया कि जब समुदाय के सभी लोग फाइलेरिया की दवा का प्रयोग करेंगे तभी सुरक्षित रह पाएंगे। निदेशक एनसीवीबीडीसी नई दिल्ली डॉक्टर तनु जैन द्वारा कहा गया कि बुखार, हाथ पैर में दर्द या सूजन तथा पुरुषों के जननांग में व उसके आसपास दर्द या सूजन फाइलेरिया रोग के लक्षण हैं। राज्य समन्वयक विश्व स्वास्थ्य संगठन डॉक्टर तनुज ने कहा कि फाइलेरिया की दवा परजीवियों को नष्ट कर देती है तथा मरते हुए परजीवियों के प्रतिक्रिया स्वरूप कभी-कभी उल्टी तथा बदन पर चकत्ते जैसी मामूली प्रक्रियाएं देखने को मिलती हैं। बीएमजी फाउंडेशन की ओर से डॉक्टर जयंती द्वारा बताया गया कि फाइलेरिया रोग की दवा सरकार द्वारा साल में एक बार घर-घर मुफ्त दी जाती है ताकि प्रभावी रोकथाम हो सके। पीसीआई इंडिया की ओर से डॉक्टर राजश्री दास द्वारा कहा गया कि अपने घर के आसपास साफ सफाई कर मच्छरों को पनपने न दें तथा मच्छरदानी का प्रयोग करें।संक्रमित व्यक्ति शीघ्र ही दवा खाएं। एडिशनल सीएमओ एवं नोडल अधिकारी फाइलेरिया द्वारा बताया गया कि किसी भी परेशानी की अवस्था में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता गण, कुल सचिव, निदेशक, विभाग अध्यक्ष, संकाय सदस्यों के साथ-साथ लगभग 900 छात्र छात्रों ने प्रतिभाग किया।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर राजीव द्वारा किया गया।

अधिवक्ताओं ने बांधकर पुलिस कर

आज का कानपुर

कानपुर । कासगंज बा एसोसिएशन की महिल अधिवक्ता की अपहरण क निर्मम हत्या किए जाने प शुक्रवार को कानपुर में कानप बार एसोसिएशन व लॉय एसोसिएशन के तत्वाधान सैकड़ों से अधिक में वकीलों आक्रोश व्यक्त करते हु मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञाप पुलिस कमिश्नर अखिल कुम को सौंपकर आरोपी के खिला सख्त कार्रवाई किए जाने व मांग करी है अधिवक्ताओं

खत्री, ... व अन्य रहे।

हिंदुस्तान 07/09/2024

फाइलेरिया की दवा के सेवन का जाना सच

कानपुर। फाइलेरिया रोधी दवाओं के सेवन का सच जानने राष्ट्रीय विशेषज्ञों की टीम शुक्रवार को कानपुर पहुंची। सीएसए में नेशनल सेंटर फॉर वेक्टर-बॉर्न रोग नियंत्रण (एनसीवीबीडीसी) के निदेशक डॉ. तनु जैन के नेतृत्व में विशेषज्ञों की टीम कानपुर नगर व देहात के दौरे में की प्रभावशीलता का प्रत्यक्ष मूल्यांकन किया। निदेशक डॉ. जैन ने प्राचार्य डॉ. संजय काला, सीनियर फैकल्टी से विचार किया। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आलोक रंजन व अन्य उपस्थित रहे।

कृषि विश्वविद्यालय में फाइलेरिया जागरूकता कार्यक्रम पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

अनवर अशरफ

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कैलाश भवन सभागार में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के अंतर्गत फाइलेरिया रोग की रोकथाम एवं जागरूकता हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि फाइलेरिया मच्छर के काटने से होने वाला एक संक्रामक रोग है।जिसे सामान्यता हाथी पांव के नाम से जाना जाता है।उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर रोग है इसलिए इसके उन्मूलन के लिए सुरक्षात्मक उपाय के रूप में दवा का प्रयोग करें।कार्यक्रम के आयोजक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार द्वारा बताया गया कि जब समुदाय के सभी लोग फाइलेरिया की

दवा का प्रयोग करेंगे तभी सुरक्षित रह पाएंगे। निदेशक एनसीवीबीडीसी नई दिल्ली डॉक्टर तनु जैन द्वारा कहा गया कि बुखार, हाथ पैर में दर्द या सूजन तथा पुरुषों के जननांग में व उसके आसपास दर्द या सूजन फाइलेरिया रोग के लक्षण हैं। राज्य समन्वयक विश्व स्वास्थ्य संगठन डॉक्टर तनुज ने कहा कि फाइलेरिया की दवा परजीवियों को नष्ट कर देती है तथा मरते हुए परजीवियों के प्रतिक्रिया स्वरूप कभी-कभी उल्टी तथा बदन पर चकत्ते जैसी मामूली प्रक्रियाएं देखने को मिलती हैं। बीएमजी फाउंडेशन की ओर से डॉक्टर जयंती द्वारा बताया गया कि फाइलेरिया रोग की दवा सरकार द्वारा साल में एक बार घर-घर मुफ्त दी जाती है ताकि प्रभावी रोकथाम हो सके। पीसीआई इंडिया की ओर से डॉक्टर राजश्री दास द्वारा कहा गया कि अपने घर के आसपास साफ सफाई कर मच्छरों को पनपने न दें तथा मच्छरदानी का प्रयोग करें।संक्रमित व्यक्ति शीघ्र ही दवा खाएं। एडिशनल सीएमओ एवं नोडल अधिकारी फाइलेरिया द्वारा बताया गया कि किसी भी परेशानी की अवस्था में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता गण, कुल सचिव, निदेशक, विभाग अध्यक्ष, संकाय सदस्यों के साथ-साथ लगभग 900 छात्र छात्रों ने प्रतिभाग किया।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर राजीव द्वारा किया गया।

सूर्यास्त 05.45
तम न्यूनतम 26.0°
₹ 74,295
₹ 93,000

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 16 अंक : 68 कानपुर, शनिवार 7 सितम्बर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

फाइलेरिया की दवा का प्रयोग करेंगे तभी सुरक्षित रह पायेंगे पर हुई कार्यशाला

कानपुर । सीएसए के कैलाश भवन सभागार में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के अंतर्गत फाइलेरिया रोग की रोकथाम एवं जागरूकता हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि फाइलेरिया मच्छर के काटने से होने वाला एक संक्रामक रोग है।जिसे सामान्यता हाथी पांव के नाम से जाना जाता है।उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर रोग है इसलिए इसके उन्मूलन के लिए सुरक्षात्मक उपाय के रूप में दवा का प्रयोग करें ।कार्यक्रम के आयोजक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार द्वारा बताया गया कि जब समुदाय के सभी लोग फाइलेरिया की दवा का प्रयोग करेंगे तभी सुरक्षित रह पाएंगे। निदेशक एनसीवीबीडीसी नई दिल्ली डॉक्टर तनु जैन द्वारा कहा गया कि बुखार, हाथ पैर में दर्द या सूजन तथा पुरुषों के जननांग में व उसके आसपास दर्द या सूजन फाइलेरिया रोग के लक्षण हैं। राज्य समन्वयक विश्व स्वास्थ्य संगठन डॉक्टर तनुज ने कहा कि फाइलेरिया की दवा परजीवियों को नष्ट कर देती है तथा मरते हुए परजीवियों के प्रतिक्रिया स्वरूप कभी-कभी उल्टी तथा बदन पर चकत्ते जैसी मामूली प्रक्रियाएं देखने को मिलती हैं। बीएमजी फाउंडेशन की ओर से डॉक्टर जयंती द्वारा बताया गया कि फाइलेरिया रोग की दवा सरकार द्वारा साल में एक बार घर-घर मुफ्त दी जाती है ताकि प्रभावी रोकथाम हो सके। पीसीआई इंडिया की ओर से डॉक्टर राजश्री दास द्वारा कहा गया कि अपने घर के आसपास साफ सफाई कर मच्छरों को पनपने न दें तथा मच्छरदानी का प्रयोग करें ।संक्रमित व्यक्ति शीघ्र ही दवा खाएं। एडिशनल सीएमओ एवं नोडल अधिकारी फाइलेरिया द्वारा बताया गया कि किसी भी परेशानी की अवस्था में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता गण, कुल सचिव, निदेशक, विभाग अध्यक्ष, संकाय सदस्यों के साथ-साथ लगभग 900 छात्र छात्रों ने प्रतिभाग किया।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर राजीव द्वारा किया गया।

कृषि विश्वविद्यालय में फाइलेरिया जागरूकता कार्यक्रम पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कैलाश भवन सभागार में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के अंतर्गत फाइलेरिया रोग की रोकथाम एवं जागरूकता हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि फाइलेरिया मच्छर के काटने से होने वाला एक संक्रामक रोग है।जिसे सामान्यता हाथी पांव के नाम से जाना जाता है।उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर रोग है इसलिए इसके उन्मूलन के लिए सुरक्षात्मक उपाय के रूप में दवा का प्रयोग करें।कार्यक्रम के आयोजक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार द्वारा बताया गया कि जब समुदाय के सभी लोग फाइलेरिया की दवा का प्रयोग करेंगे तभी सुरक्षित रह पाएंगे। निदेशक एनसीवीबीडीसी नई दिल्ली डॉक्टर तनु जैन द्वारा कहा गया कि बुखार, हाथ पैर में दर्द या सूजन तथा पुरुषों के जननांग में व उसके आसपास दर्द या सूजन फाइलेरिया रोग के लक्षण हैं। राज्य समन्वयक विश्व स्वास्थ्य संगठन डॉक्टर तनुज ने कहा कि फाइलेरिया की दवा परजीवियों को नष्ट कर देती है तथा मरते हुए परजीवियों के प्रतिक्रिया स्वरूप कभी-कभी उल्टी तथा बदन पर चकत्ते जैसी मामूली प्रक्रियाएं देखने को मिलती हैं। बीएमजी फाउंडेशन की ओर से डॉक्टर जयंती द्वारा बताया गया कि फाइलेरिया रोग की दवा सरकार द्वारा साल में एक बार घर-घर मुफ्त दी जाती है ताकि प्रभावी रोकथाम हो सके। पीसीआई इंडिया की ओर से डॉक्टर राजश्री दास द्वारा कहा गया कि अपने घर के आसपास साफ सफाई कर मच्छरों को पनपने न दें तथा मच्छरदानी का प्रयोग करें।संक्रमित व्यक्ति शीघ्र ही दवा खाएं। एडिशनल सीएमओ एवं नोडल अधिकारी फाइलेरिया द्वारा बताया गया कि किसी भी परेशानी की अवस्था में नजदीकी स्वास्थ्य

केंद्र से संपर्क करें।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता गण, कुल सचिव, निदेशक, विभाग अध्यक्ष, संकाय सदस्यों के साथ-साथ लगभग 900 छात्र छात्रों ने प्रतिभाग किया।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर राजीव द्वारा किया गया।

फाइलेरिया की दवा का प्रयोग करेंगे तभी सुरक्षित रह पायेंगे पर हुई कार्यशाला

कानपुर । सीएसए के कैलाश भवन सभागार में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के अंतर्गत फाइलेरिया रोग की रोकथाम एवं जागरूकता हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि फाइलेरिया मच्छर के काटने से होने वाला एक संक्रामक रोग है।जिसे सामान्यता हाथी पांव के नाम से जाना जाता है।उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर रोग है इसलिए इसके उन्मूलन के लिए सुरक्षात्मक उपाय के रूप में दवा का प्रयोग करें ।कार्यक्रम के आयोजक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार द्वारा बताया गया कि जब समुदाय के सभी लोग फाइलेरिया की दवा का प्रयोग करेंगे तभी सुरक्षित रह पाएंगे।

निदेशक एनसीवीबीडीसी नई दिल्ली डॉक्टर तनु जैन द्वारा कहा गया कि बुखारए हाथ पैर में दर्द या सूजन तथा पुरुषों के जननांग में व उसके आसपास दर्द या सूजन फाइलेरिया रोग के लक्षण हैं। राज्य समन्वयक विश्व स्वास्थ्य संगठन डॉक्टर तनुज ने कहा कि फाइलेरिया की दवा परजीवियों को नष्ट कर देती है तथा मरते हुए परजीवियों के प्रतिक्रिया स्वरूप कभी.कभी उल्टी तथा बदन पर चकत्ते जैसी मामूली प्रक्रियाएं देखने को मिलती हैं। बीएमजी फाउंडेशन की ओर से डॉक्टर जयंती द्वारा बताया गया कि फाइलेरिया रोग की दवा सरकार द्वारा साल में एक बार घर.घर मुफ्त दी जाती है ताकि प्रभावी रोकथाम हो सके। पीसीआई इंडिया की ओर से डॉक्टर राजश्री दास द्वारा कहा गया कि अपने घर के आसपास साफसफाई कर मच्छरों को पनपने न दें तथा मच्छरदानी का प्रयोग करें ।संक्रमित व्यक्ति शीघ्र ही दवा खाएं। एडिशनल सीएमओ एवं नोडल अधिकारी फाइलेरिया द्वारा बताया गया कि किसी भी परेशानी की अवस्था में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता गणए कुल सचिवए निदेशकए विभाग अध्यक्षए संकाय सदस्यों के साथ.साथ लगभग 900 छात्र छात्रों ने प ् ि त भ ा ग किया।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर राजीव द्वारा किया गया।

कार्यालय ख

पत्रांक 1181/लेखाकार,

आंगनबाड़ी केन्द्र निर्माण योजना
वित्तीय वर्ष 2023–24 में स्वीकृति
जाने हेतु ई–प्रोक्योरमेन्ट की वेबस
इच्छुक निर्माणकर्ता उपरोक्त वेबस
बजे तक ऑनलाइन अपलोड कर
कन्नौज में गठित समिति एवं उप
दिनांक 16.09.2024 को 02.00 बज